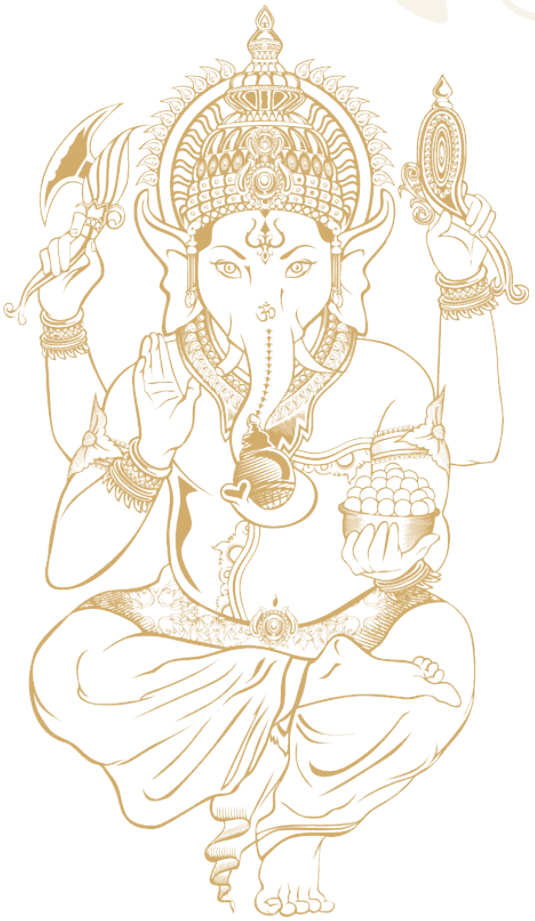

Kalyane

20 Oct 2004

11:20 AM

Rewa

Model: web-freekundliweb

Order No: 121544403

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**20/10/2004**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**11:20:00 घंटे**
इष्ट	13:06:39 घटी
स्थान	**Rewa**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	24:32:00 उत्तर
रेखांश	81:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:04:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:15:12 घंटे
वेलान्तर	00:15:15 घंटे
साम्पातिक काल	13:11:20 घंटे
सूर्योदय	06:05:20 घंटे
सूर्यास्त	17:33:36 घंटे
दिनमान	11:28:16 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	03:15:38 तुला
लग्न के अंश	12:02:14 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	सुकर्मा
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ढा-ढपली
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	12:02:14	339:52:39	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			तुला	03:15:38	00:59:39	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	नीच राशि
चंद्र			धनु	24:22:49	14:14:11	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
मंगल		अ	कन्या	21:35:19	00:39:17	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
बुध		अ	तुला	12:56:08	01:34:38	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	मित्र राशि
गुरु			कन्या	11:26:03	00:12:30	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	25:31:56	01:11:36	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
शनि			कर्क	03:05:03	00:02:06	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
राहु			मेष	08:14:28	00:00:18	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	शत्रु राशि
केतु			तुला	08:14:28	00:00:18	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	09:09:38	00:01:05	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
नेप	व		मक	18:41:25	00:00:08	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	26:17:35	00:01:32	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	गुरु	---
दशम भाव			कन्या	25:23:55	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:17

लग्न-चलित

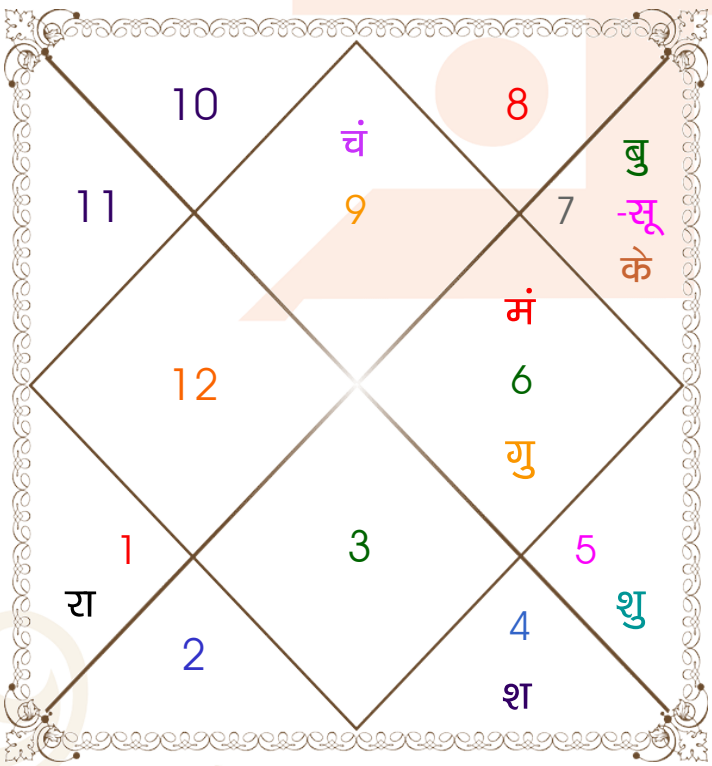

चन्द्र कुंडली

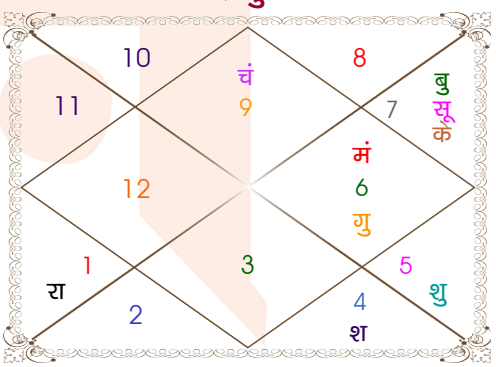

नवमांश कुंडली

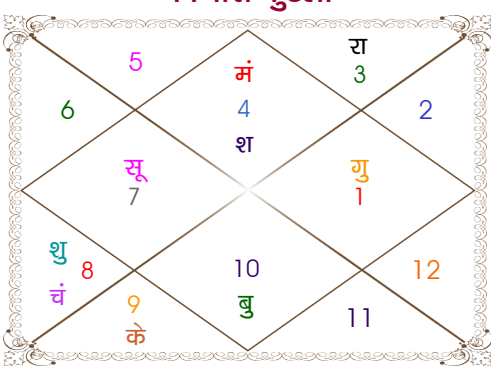

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 3 वर्ष 5 मास 4 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
20/10/2004		26/03/2008		26/03/2014		26/03/2024		26/03/2031	
26/03/2008		26/03/2014		26/03/2024		26/03/2031		26/03/2049	
	00/00/0000	सूर्य	13/07/2008	चंद्र	24/01/2015	मंगल	22/08/2024	राहु	06/12/2033
	00/00/0000	चंद्र	12/01/2009	मंगल	26/08/2015	राहु	09/09/2025	गुरु	01/05/2036
	00/00/0000	मंगल	20/05/2009	राहु	23/02/2017	गुरु	16/08/2026	शनि	08/03/2039
	00/00/0000	राहु	13/04/2010	गुरु	25/06/2018	शनि	25/09/2027	बुध	24/09/2041
	00/00/0000	गुरु	31/01/2011	शनि	25/01/2020	बुध	21/09/2028	केतु	13/10/2042
	00/00/0000	शनि	13/01/2012	बुध	25/06/2021	केतु	17/02/2029	शुक्र	13/10/2045
	20/10/2004	बुध	18/11/2012	केतु	24/01/2022	शुक्र	19/04/2030	सूर्य	06/09/2046
बुध	24/01/2007	केतु	26/03/2013	शुक्र	25/09/2023	सूर्य	25/08/2030	चंद्र	07/03/2048
केतु	26/03/2008	शुक्र	26/03/2014	सूर्य	26/03/2024	चंद्र	26/03/2031	मंगल	26/03/2049

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
26/03/2049		26/03/2065		26/03/2084		27/03/2101		27/03/2108	
26/03/2065		26/03/2084		27/03/2101		27/03/2108		00/00/0000	
गुरु	14/05/2051	शनि	29/03/2068	बुध	22/08/2086	केतु	23/08/2101	शुक्र	27/07/2111
शनि	24/11/2053	बुध	07/12/2070	केतु	19/08/2087	शुक्र	23/10/2102	सूर्य	26/07/2112
बुध	01/03/2056	केतु	16/01/2072	शुक्र	19/06/2090	सूर्य	28/02/2103	चंद्र	27/03/2114
केतु	05/02/2057	शुक्र	17/03/2075	सूर्य	26/04/2091	चंद्र	29/09/2103	मंगल	27/05/2115
शुक्र	07/10/2059	सूर्य	27/02/2076	चंद्र	24/09/2092	मंगल	25/02/2104	राहु	27/05/2118
सूर्य	25/07/2060	चंद्र	27/09/2077	मंगल	21/09/2093	राहु	15/03/2105	गुरु	25/01/2121
चंद्र	24/11/2061	मंगल	06/11/2078	राहु	10/04/2096	गुरु	19/02/2106	शनि	27/03/2124
मंगल	31/10/2062	राहु	12/09/2081	गुरु	17/07/2098	शनि	30/03/2107	बुध	21/10/2124
राहु	26/03/2065	गुरु	26/03/2084	शनि	27/03/2101	बुध	27/03/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 3 वर्ष 5 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपनी जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किन्चित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आप अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सकें। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकती हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखें।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहती हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगी एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगी तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगी। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगी। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगी। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति की प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगी। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगी तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगी तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतती रही तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगी। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।